

पञ्चगव्यसाधनं॥

ASHA ARCHIVES

3491

१७७
पद्मगुप्तसाधनं॥

ASHA ARCHIVES

३४९१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 काव्येयश्च गव्यसाधनं ॥ ॥ अद्या
 दि ॥ ॥ वाक्येयश्च कार्येयानि ॥ ॥
 गुणस्मरणीया सार्धेयानि यूता ॥ ॥

वलिपूजनं ॥ ॥ ॐ गं धनां त्वा ॥
 ॐ अम्ब अम्बिक ॥ ॐ न मा वसुधा
 य ॥ ॐ सर्वे श्या द व श्या हर य न
 य वलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ ॥ ज्ञा

धूंय दाय

वारुनादि ॥ ॥ जाय मारुं ॥ ॐ नि
र्यानन्दयदं ॥ ॥ वलिविसंकेतं
॥ ॥ गगन ४ यश्च गाययूक्तं ॥ ॥
यूद्धेदधि ॥ ॐ उ माय नि देव गाय

नमः ॥ ॐ दधिकाया ॥ ॥ ददिका ॥
॥ गगन ४ ॥ ॐ वद्विदेव गायनमः
॥ ॐ गायत्री ॥ ॥ यद्विभन्दीनं ॥ ॐ सा
मदेव गायनमः ॥ ॐ यय ४ यृथि

व्यां ॥ ॥ उरु नयूतं ॥ ॐ रास्क नदे
गायनम ॥ ॐ न ऊ। सिधु ॥ ॥
आग्रये रगमय लिंगं ॥ ॥ ॐ सदा
हिवाय लिङ्ग मूरुथ नम ॥ ॐ ठि

वानामा सि ॥ ॥ निरुयय व्यां ॥ ॐ धी
देव गायनम ॥ ॐ यां रु ल नी ॥ ॥
वायवा रगमयं ॥ ॐ ऊ ना द्द न दे
व गायनम ॥ ॐ ग भ द्वा त्रां ॥ ॥

ॐ वनूधायकू (६) द का य ६
व्रीधायनकू (६) द का ॥ ॐ वनूधायकू
॥ ॥ म (६) व द्वा य ॥ ॐ व द्वा य
नमः ॥ ॐ व द्वा य ज्ञानं ॥ ॥ सर्वो वि
मयः शाद व द्वा य नं ऊ य ७ ॥ ॥ द धि

यूधेय सर्वो वि व द्वा य ॥ निधाय य
७ ॥ ॥ ॐ सन्ध्या मि समा य ऊ य
धी रिः ॥ सभा य ध्या न स नः ॥ स ०
प्रवर्गी ऊ ग गी रिः ॥ यृ च का ० सं

मधूमगीर्मधूमगीरिष्टयुचकां॥

॥ ॥ आलाउय ॥ ॥ ॐ ॐ नय

ल्येत्वा संयामीदम (यु) त्रिदमग्री

मामया त्रिषत्वाद्यभोसि विष्टाय

नूत्रयथाउत्रयथस्यानूत्रयय

निष्टयथगामग्रिष्टुत्वंमा ०

साद्वस्त्यासविनासयययुवत्रि

मिष्टधिनाक ॥ ॥ थयूकायूयाय ॥

चन्दनादिनायूय ॥ ॥ गमयशाश
यंयूय ७ ॥ ॥ जायस्त्रां ॥ ॥
ॐ निर्मलं कायत्रयाय ॥ वदन्तान
निवर्त्तिन ॥ ॥ शुद्धायाय ययूय ॥ ॥

चिन्तिगंवदन्तृपि ॥ ॥ अत्रगंध
दि ॥ ॥ अत्रगंधकाय ७ ॥ ॥ शिवाय
यऊनत्य ४ ॥ ॥ चकलाग्ननछिवत्ता
नं ॥ ॥ ॐ गमयलिंगाय शिवाय

नमः॥ ॥ उल्लसन्तः यश्च गच्छन्तः
चन्दनादिदसीसमनयूषां ॥ ॥ विद
॥ ॐ सद्यः आभा उ ॥ सुनि ॥ ॐ रगमय
लिंग तूयायः सर्वयाय युष्मिन्न ॥
सर्वदहय विद्यायः रुत्तूयाय न

नमः॥ ॥ अग्नौ गन्धदि ॥ ॥ धनय उ
मानय निस्तूयश्च गच्छ विद्या ॥ ॥ द्रव्य
दुस्तूय गन्धौ के सदित न ॥ ॥ ॐ वाच
न ह्युन्धामिया न ह्युन्धामि च दूस्तूय
न्धामि धारु न ह्युन्धामि नारि न ह्युन्धामि

ASHA ARCHIVES
3491

ASHA ARCHIVES
3491

मिभदुर्नष्टुन्धामिपायून्ष्टुन्धामि
चत्रिगस्तुष्टुन्धामि॥ ॥याधनं॥
ॐमनस्तुष्टुपाययमांवाकूष्टुष्टुपाय
मांयादस्तुष्टुपाययमांचदूस्तुष्टु

यथायमा ७ ध्याय न आयायमां ॥
यस्तु कृतं यदास्ति नं गस्तु आया
यमां निष्ठाया मां नस्तु शुद्धायुधाम
दात्य शुद्धाय १ ध्याय स्य स्य धिन

मयिन षहि षसी ॥ ॥ आद्यादीं ॥
 कुं त्यम र्ग्यूरि ॥ अर्यूरुदीं ॥ ॥
 कुं रस्य गय विरु य न य विरु यूनस्य
 यत्काम ४ यून गक्त कर्यं ॥ ॥

वृक्षानः	पूर्वः दधिः	आद्युथः
कृष्णदकः		गामयलि
		इः

उरुगः	मधः	दद्विः
नः	यारुः	गामरुः

वायवः	यद्विमः	नेसुथः
गोवतः	गुः	यराजनः

ॐ
ह्यस्यैमनंदवकन्यागिमिचक्ररु१
६। नारायणमादवठयन। मूचनु
मायनयस्वाहा॥ ॥ ॐ ह्रम
ग्रययुनन॥ १ ॥ ॐ ह्रयमार्य

ययुनलाजानवयनिका१ अस्य
मानमुमयनित्रधरुंस्तुनया
ममस्वाहा॥ ॥ ॐ ह्रम ग्रययुन
न॥ २ ॥ ॐ ह्रमांलाजानवया

यमलोसमृद्धिफत्रलंगवामम
 लुल्यं च संवदनं रुदग्नित्रलम
 न्यनामिय ० स्यात् ॥ ॥ ॐ द
 म ग्रेयुभन ॥ १२ ॥
 य

ॐ ह्रीं सः षिव रुत्वा ॥ ॐ षिव रु
 त्वा धिय रुथः सदा षिवा नमः ॥
 ॐ षिवानामासि ॥ ॐ ह्रीं सः
 विद्या रुत्वा धिय रुथः विष्णु व

ॐ ह्रीं सः षिव रुत्वा

२
नमः॥ ॐ ह्रीं देवि सु॥ ॥ ॐ ह्रीं
सः॥ आत्मनस्त्याय नमः॥ ॐ ह्रीं सः॥
आत्मनस्त्याधियनश्च वदन्तान
मः॥ ॥ ॐ वदन्तान्॥ छिन

हदिनारो॥ ॥ ॐ ह्रीं यथिवीमूर्ते
यनमः॥ यथिवीमूर्तेधियनश्च
वामायनमः॥ ॐ ह्रीं नायथिवी
॥ ॥ आधन॥ ॐ ह्रीं सः॥ आयमू
याद

ॐ नमः शिवाय २

रुथनमः शिवाय मूल्यो धिय नथ ऊ
वायनमः ॥ जानर्या ॥ उं दु सः ॥
ऊ मूल्ये नमः ॥ न ऊ मूल्यो धिय
नथ ज्ञानाय नमः ॥ उं न व वाय ॥
ॐ दु सः वाय मूल्ये ॥ वाय मूल्ये

रुथनमः ॥

ददथ ॥ ॥ उं दु सः रव मूल्ये न
मः ॥ रव मूल्यो धिय नथ ॥ उं दु सः
मः ॥ ललाट ॥ छिवा नामासि ॥ ॥
रुथनमः शिवाय ॥ यीतवृ ॥ नमः शिवाय
य लिखा ॥ ददथ ॥ वाभ वी दि ॥ म ॥

संमार्गं ॥ नमः पूजनी ॥ ॐ शक्ति काय २
ॐ श्री हय धर्म ॥ ॐ पूष्टि काल श्री मूर्त्ति २ ॥
ॐ स्वस्ति ०० ॥ ॐ सर्व विष्ट विना भय
वक्ष मूर्त्ति २ ॥ ॐ वक्ष य स्नान ॥